

सबसे बड़ा खज़ाना

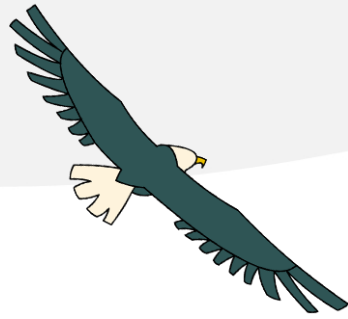
लेखक - अमित गर्ग

एक दिन पीटर को एक खज़ाने का नक्शा मिला। “ओहो! मैं इस खज़ाने को खोजने के लिए अपने अभियान पर चल पड़ूँ!” वह चिल्ला उठा! पीटर चल पड़ा। उसने लंबा रास्ता तय किया और अंत में एक जंगल में आ पहुँचा। वहाँ उसे शेर मिला। “तुम ताकतवर और साहसी हो,” पीटर ने शेर से कहा। “क्या तुम मेरे साथ आओगे, एक खज़ाने की खोज में?” शेर मान गया और पीटर के साथ हो लिया।

जंगल घना और अंधकारपूर्ण था। पीटर घबरा गया था, लेकिन शेर को अपने पास देख, वह आगे बढ़ता गया। अंत में जब वे दोनों पहाड़ पर पहुँचे, उन्हें गरुड़ मिला। “तुम्हारे पास कमाल की दृष्टि है, और तुम हमें खतरे से सावधान कर सकते हो,” पीटर ने गरुड़ से कहा। “क्या तुम हमारे साथ आओगे? हम एक खज़ाना खोज रहे हैं।” गरुड़ मान गया, और पीटर और शेर के साथ हो लिया।

पहाड़ ऊँचे और पथरीले थे। शेर फिसला, किंतु पीटर काफी फुर्तीला था, उसने हाथ बढ़ाकर उसे ऊपर खींच लिया। गरुड़ अपनी पैनी दृष्टि से उनके हर कदम पर नज़र रखे रहा। जल्दी ही वे नीचे घाटी में आ पहुँचे जहाँ उन्हें एक भेड़ मिली। “खज़ाने की खोज में क्या तुम हमारा साथ दोगी?” पीटर ने भेड़ से पूछा “और क्या हमें सर्दी में गरमाहट दोगी?” भेड़ मान गई और वह पीटर, शेर और गरुड़ के साथ हो ली।



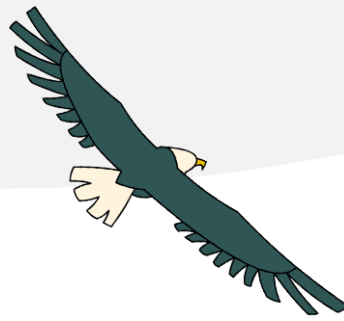


एक शीत लहर उस अंतहीन मैदान को चीरती हुई उसके आर-पार फैल गई। वे सब भेड़ से सट गए जिसने उन्हें गरमाहट और राहत दी। अंत में चारों रेगिस्तान आ पहुँचे, जहाँ उन्हें ऊँट मिला। “तुम तो रेगिस्तान का जहाज़ हो,” पीटर ने ऊँट से कहा, “क्या तुम हमें उस पार पहुँचाओगे? और खज़ाने की खोज में भी शामिल होगे?”

ऊँट मान गया। पीटर, शेर और भेड़ ऊँट पर सवार हुए, और खुशी से विशाल रेगिस्तान को पार करने चल पड़े। साथ में गरुड़ था जो इसका आनंद ऊपर से ले रहा था। ऊँट सरपट दौड़ने लगा और हर एक खुशी से उत्साहित था।

ऊँट की पीठ पर रेगिस्तान की यात्रा करना काफी रोमांचक था। अंत में पाँचों समुद्र के पास पहुँचे, जहाँ उन्हें कछुआ मिला। “क्या तुम हमें समुद्र के उस पार पहुँचाओगे?” पीटर ने कछुए से पूछा। “हम लोग एक खज़ाने की खोज में हैं।” कछुआ मान गया और पीटर, शेर, गरुड़, भेड़ और ऊँट के साथ हो लिया। तेज़ लहरें इस दल को लगभग डुबा ही डालतीं, किंतु कछुए ने कुशलता से उन्हें दूसरी पार पहुँचाया।





उन्हें उस पार उल्लू मिला। उल्लू ने चतुराई से कहा, “बधाई हो! तुमने खज़ाना खोज निकाला।” “कहाँ है वह?” वे सब आश्चर्य से बोल पड़े। “तुम सबने मिलकर जंगल पार किया, तुम पर्वतों पर चढ़े, तुमने घाटी का सामना किया, तुम रेगिस्तान से जूझे, और तुमने समुद्र को पार किया। तुम यह कभी नहीं कर पाते यदि एक-दूसरे के साथ न होते।” वे सब एक-दूसरे को देखने लगे और उन्होंने महसूस किया कि उल्लू सही था! उन्होंने मित्रता को खोज निकाला! सचमुच उन्हें जो मिला वह सबसे बड़ा खज़ाना था!

समाप्त

© BookBox. All Rights Reserved.
www.bookbox.com



Click below to follow us:



You Tube

facebook

